चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक सवेरा......

दिनांक 19.1.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....3-6.....

दूध में मूल्य संवर्धन व उत्पाद विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

• संस्थान के वैज्ञानिक ने कहा, दूध व उसके उत्पादों की बिक्री से बढ़ा सकते है आमदनी

हिसार, 18 जनवरी (सुरेंद्र सोढी) : केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. एसएस दहिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के पुरूष व महिलाएं भैंस पालन से दूध बेचकर अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। साथ ही दूध से बनने वाले उत्पादों का तकनीकी ज्ञान लेकर लघु व्यवसाय शुरू कर मुनाफे में बढ़ोतरी कर सकते हैं। डा. दहिया चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को जरूरी सामान व प्रमाण-पत्र वितरित करते केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. एस.एस. दहिया व अन्य।

केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जरूरी सामान मुहैया करवाया गया। मुख्यातिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पशुपालन को अपनी आर्थिक जमा पूंजी के रूप में देख सकता है।

इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया गया। संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ.अशोक गोदारा ने संस्थान में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए संस्थान से जुडकर अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान हिसार के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सज्जन सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि संस्थान में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया व डॉ. डी.के. शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. निर्मल कुमार व डॉ. देवेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रदेश के 30 उम्मीदवारों ने प्रशिक्षण हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......पंजाब केसरी......

दिनांक 19.1.2021 ....पृष्ठ संख्या ....2.... कॉलम ....1-2....

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को जरूरी सामान व प्रमाण-पत्र वितरित करते केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. दहिया व अन्य।

'दूध में मूल्य संवर्धन व उत्पाद विषय पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न'

हिसार, 18 जनवरी (ब्यूरो): ग्रामीण क्षेत्र के पुरुष व महिलाएं भैंस पालन से दूध बेचकर अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। साथ ही दूध से बनने वाले उत्पादों का तकनीकी ज्ञान लेकर लघु व्यवसाय शुरू कर मुनाफे में बढ़ौतरी कर सकते हैं।

ये विचार केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. दहिया ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया।

केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सज्जन सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि संस्थान में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रदेश के 30 उम्मीदवारों ने प्रशिक्षण हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....

दिनांक 19.1.2021 पृष्ठ संख्या....1.... कॉलम....1....

दूध व उसके उत्पादों की बिक्री से बढ़ा सकते हैं आमदनी

हिसार : ग्रामीण क्षेत्र के पुरुष व महिलाएं भैंस पालन से दूध बेचकर अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। दूध से बनने वाले उत्पादों का तकनीकी ज्ञान लेकर लघु व्यवसाय शुरू कर मुनाफे में बढ़ोतरी कर सकते हैं। ये विचार केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान विज्ञानी डा. एसएस दहिया ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। (जासं)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**18.01.2021**	--	--

दूध व उसके उत्पादों की बिक्री से बढ़ा सकते हैं आमदनी : डॉ. एस.एस. दहिया

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 18 जनवरी : ग्रामीण क्षेत्र के पुरुष व महिलाएं भैंस पालन से दूध बेचकर अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। साथ ही दूध से बनने वाले उत्पादों का तकनीकी ज्ञान लेकर लघु व्यवसाय शुरू कर मुनाफे में बढ़ोतरी कर सकते हैं। ये विचार केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. दहिया ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जरूरी सामान मुहैया करवाया गया। मुख्यातिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पशुपालन को अपनी आर्थिक जमा पूंजी के रूप में देख सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के युवक-युवतियां लघु उद्योग स्थापित करके अपने परिवार का पालन-पोषण सकते हैं और दूसरों को भी रोजगार मुहैया करवा सकते हैं। उन्होंने आहवान किया कि यहां से प्रशिक्षण हासिल कर वे समूह बनाकर अपना व्यवसाय शुरू करें और उसे आगे बढ़ाएं। साथ ही प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान को अधिक से अधिक फैलाएं। इस

प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ.अशोक गोदारा ने संस्थान में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए संस्थान से जुड़कर अधिक से अधिक लाभ उठाने का आहवान किया। केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान हिसार के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सज्जन सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि संस्थान में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया व डॉ. डी. के. शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. निर्मल कुमार व डॉ. देवेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रदेश के 30 उम्मीदवारों ने प्रशिक्षण हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**18.01.2021**	--	--

दूध में मूल्य संवर्धन व उत्पाद विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। ग्रामीण क्षेत्र के पुरूष व महिलाएं भैंस पालन से दुध बेचकर अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। साथ ही दूध से बनने वाले उत्पादों का तकनीकी ज्ञान लेकर लघु व्यवसाय शुरू कर मुनाफे में बढ़ोतरी कर सकते हैं। ये विचार केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. एस. दहिया ने व्यक्त किए। वे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के

***हिसार।** प्रतिभागियों को जरूरी सामान व प्रमाण-पत्र वितरित करते केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. एस. दहिया व अन्य।*

समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जरूरी सामान मुहैया करवाया गया।

मुख्यातिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए आह्वान किया कि यहां से प्रशिक्षण हासिल कर वे समूह बनाकर अपना व्यवसाय शुरू करें और उसे आगे बढ़ाएं। साथ ही प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान को अधिक से अधिक फैलाएं। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ.अशोक गोदारा ने संस्थान में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी देते हुए संस्थान से जुड़कर अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान हिसार के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सज्जन सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि संस्थान में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रदेश के 30 उम्मीदवारों ने प्रशिक्षण हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**18.01.2021**	--	--

शिविर में दूध से बनने वाले उत्पादों का दिया तकनीकी ज्ञान

हिसार/18 जनवरी/रिपोर्टर

ग्रामीण क्षेत्र के पुरूष व महिलाएं भैंस पालन से दूध बेचकर अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। साथ ही दूध से बनने वाले उत्पादों का तकनीकी ज्ञान लेकर लघु व्यवसाय शुरू कर मुनाफे में बढ़ौतरी कर सकते हैं। ये विचार केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसएस दहिया ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जरूरी सामान मुहैया करवाया गया। मुख्यातिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पशुपालन को अपनी आर्थिक जमा पूंजी के रूप में देख सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के युवक-युवतियां लघु उद्योग स्थापित करके अपने परिवार का पालन-पोषण सकते हैं और दूसरों को भी रोजगार मुहैया करवा सकते हैं। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने संस्थान में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी देते हुए संस्थान से जुड़कर अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान हिसार के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सज्जन सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि संस्थान में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया व डॉ. डीके शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. निर्मल कुमार व डॉ. देवेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**18.01.2021**	---	----

हकृवि में दूध में मूल्य संवर्धन व उत्पाद विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

दुध व उससे बने उत्पादों की बिक्री से बढ़ा सकते हैं आमदनी : डॉ. दहिया

पांच बजे न्यूज

हिसार। ग्रामीण क्षेत्र के पुरूष व महिलाएं भैंस पालन से दुध बेचकर अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। साथ ही दूध से बनने वाले उत्पादों का तकनीकी ज्ञान लेकर लघु व्यवसाय शुरू कर मुनाफे में बढ़ोतरी कर सकते हैं। ये विचार केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. दहिया ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जरूरी सामान मुहैया करवाया गया। मुख्यातिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पशुपालन को अपनी आर्थिक जमा पूंजी के रूप में देख सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के युवक-युवतियां लघु उद्योग स्थापित करके अपने परिवार का पालन-पोषण सकते हैं और दूसरों को भी रोजगार मुहैया करवा सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि यहां से प्रशिक्षण हासिल कर वे समूह बनाकर अपना व्यवसाय शुरू करें और उसे आगे बढ़ाएं। साथ ही प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान को अधिक से अधिक फैलाएं। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण)डॉ.अशोक गोदारा ने संस्थान में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए संस्थान से जुड़कर अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान हिसार के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सज्जन सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि संस्थान में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया व डॉ. डी.के. शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. निर्मल कुमार व डॉ. देवेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रदेश के 30 उम्मीदवारों ने प्रशिक्षण हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर घोष	**18.01.2021**	---	----

दूध व उसके उत्पादों की बिक्री से बढ़ा सकते हैं आमदनीः डॉ. दहिया

हिसार। ग्रामीण क्षेत्र के पुरूष व महिलाएं भैंस पालन से दूध बेचकर अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। साथ ही दूध से बनने वाले उत्पादों का तकनीकी ज्ञान लेकर लघु व्यवसाय शुरू कर मुनाफे में बढ़ोतरी कर सकते हैं। ये विचार केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. दहिया ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश के अनुसूचित जाति व जनजाति के उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए जरूरी सामान मुहैया करवाया गया। मुख्यातिथि ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि आम आदमी पशुपालन को अपनी आर्थिक जमा पूंजी के रूप में देख सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के युवक-युवतियां लघु उद्योग स्थापित करके अपने परिवार का पालन-पोषण सकते हैं और दूसरों को भी रोजगार मुहैया करवा सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि यहां से प्रशिक्षण हासिल कर वे समूह बनाकर अपना व्यवसाय शुरू करें और उसे आगे बढ़ाएं। साथ ही प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान को अधिक से अधिक फैलाएं। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया गया। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने संस्थान में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में संस्थान से जुड़कर अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान हिसार के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सज्जन सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि संस्थान में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में प्रदेश के 30 उम्मीदवारों ने प्रशिक्षण हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक .19.1.2021.... पृष्ठ संख्या......4........ कॉलम........1-4........

योजना

एचएयू के एबिक सेंटर में एग्री इंडिया हैकथॉन के लिए मांगे आवेदन, अंतिम तिथि 20 जनवरी

कृषि संबंधी नया आइडिया है तो जीत सकते हैं एक लाख

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एग्री इंडिया हैकथॉन आयोजित की जा रही है। आत्मनिर्भर भारत के लिए स्मार्ट कृषि नवाचार चुनौती में कोई भी भाग ले सकता है। चाहे वह कोई किसान हो, विद्यार्थी या कोई भी आम आदमी हो। इसमें भाग लेने के लिए उसके पास नवाचार या कोई नया आइडिया होना जरूरी है। नया आइडिया देने वाला एक लाख रुपये जीत सकता है।

एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2021 है। इस प्रतियोगिता में केंद्र बिंदु के क्षेत्र खेत मशीनीकरण, सटीक कृषि, आपूर्ति शृंखला और रसद के बाद फसल और खाद्य तकनीक, वेस्ट से वेल्थ आदि विषयों पर अपना नवाचार रख सकते हैं। इसमें चयनित विजेता को इंक्यूबेशन सेंटर मे पंजीकृत किया जाएगा और एक लाख रुपये की धनराशि इनाम के रूप में दी जाएगी। इसके साथ-साथ इंक्यूबेशन सेंटर का सपोर्ट, 2 महीने का प्रशिक्षण निशुल्क दिया जाएगा और 5 से 25 लाख रुपये एक प्रक्रिया के तहत दिए जाएंगे। नोडल अधिकारी ने बताया कि इसी संदर्भ में एग्री बिजनेस सेंटर ने एक वर्कशॉप का आयोजन किया, जिसमें यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी और एबिक के इंक्यूबेटिज को इस प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी और उन्हें इस में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में होने वाले नवाचार आने वाले समय में बहुत सहायक होंगे। इसमें भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति इनोवेटिव इंडिया डॉट माई गवर्नमेंट डॉट इन स्लैश एग्री इंडिया हैकथॉन पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

दुग्ध उत्पादों से बढ़ा सकते हैं आमदनी : डॉ. दहिया

हिसार। ग्रामीण क्षेत्र के पुरुष व महिलाएं भैंस पालन से दुध बेचकर अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। साथ ही दुध से बनने वाले उत्पादों का तकनीकी ज्ञान लेकर लघु व्यवसाय शुरू कर मुनाफे में बढ़ोतरी कर सकते हैं। यह बात केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसएस दहिया ने कही। वह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विवि के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के युवक युवतियां लघु उद्योग स्थापित करके अपने परिवार का पालन-पोषण सकते हैं और दूसरों को भी रोजगार मुहैया करवा सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. अशोक गोदारा, डॉ. सज्जन सिंह, डॉ. सुरेंद्र सिंह ने भी प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक सवेरा........

दिनांक ..19.1.2021.....पृष्ठ संख्या.......7.............कॉलम.......2.........

हकृवि के एबिक सैंटर में एग्री इंडिया हैकथॉन के लिए मांगे आवेदन, अंतिम तिथि 20

हिसार, 18 जनवरी (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सैंटर में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एग्री इंडिया हैकथॉन आयोजित की जा रही है। आत्मनिर्भर भारत के लिए स्मार्ट कृषि नवाचार चुनौती में कोई भी भाग ले सकता है चाहे वह कोई किसान हो, विद्यार्थियों या कोई भी आम आदमी हो। इसमें भाग लेने के लिए उसके पास नवाचार या कोई आइडिया होना जरूरी है। एबिक की नोडल ऑफिसर डा. सीमा रानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2021 है। इस प्रतियोगिता में केंद्र बिंदु के क्षेत्र जिनके ऊपर आप अपना नवाचार रख सकते हैं उनमें खेत मशीनीकरण, सटीक कृषि, आपूर्ति श्रृंखला और रसद के बाद फसल और खाद्य तकनीक, वेस्ट से वेल्थ आदि विषयों पर अपना नवाचार रख सकते हैं। इसमें चयनित विजेता को इंक्युबेशन सैंटर मे पंजीकृत किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर

दिनांक 19.1.2021 ....पृष्ठ संख्या.....3, 4.....कॉलम.....3-4, 6...

एचएयू करा रहा हैकथॉन स्टार्ट-अप पर फोकस

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हैकथॉन आयोजित कराने जा रहा है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति कृषि के क्षेत्र में समस्याओं को दूर करने के लिए स्टार्ट-अप आइडिया दे सकता है। दरअसल एबिक सेंटर में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एग्री इंडिया हैकथॉन आयोजित की जा रही है। आत्मनिर्भर भारत के लिए स्मार्ट कृषि नवाचार चुनौती में कोई भी भाग ले सकता है चाहे वह कोई किसान हो, विद्यार्थियों या कोई भी आम आदमी हो। इसमें भाग लेने के लिए उसके पास नवाचार या कोई आइडिया होना जरूरी है। इसमें भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति इनोवेटिव इंडिया डॉट माई गवर्नमेंट डॉट इन स्लैश एग्री इंडिया हैकथॉन पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

चयनितों को यह मिलेगा लाभ

इसमें चयनित विजेता को इंक्युबेशन सेंटर मे पंजीकृत किया जाएगा और एक लाख रुपये की धनराशि इनाम के रूप में दी जाएगी। इसके साथ-साथ इनक्यूबेशन सेंटर का सपोर्ट, दो महीने का प्रशिक्षण दिया जाएगा और पांच से 25 लाख रुपये एक प्रक्रिया के तहत दिए जाएंगे।

एबिक की नोडल ऑफिसर डा. सीमा रानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 जनवरी है। केंद्र बिंदु के क्षेत्र जिनके आप अपना नवाचार रख सकते हैं उनमें खेत मशीनीकरण, सटीक कृषि, आपूर्ति श्रृंखला और रसद के बाद फसल और खाद्य तकनीक, वेस्ट से वेल्थ आदि विषयों पर अपना नवाचार रख सकते हैं।

एग्री इंडिया हैकथॉन के लिए मांगे आवेदन

हिसार | एचएयू हिसार में स्थापित एबिक सेंटर में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एग्री इंडिया हैकथॉन आयोजित की जा रही है। इसमें भाग लेने के लिए कोई आइडिया होना जरूरी है। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 जनवरी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ भ्रेर ; नेट्टिन ....

दिनांक 19.1.2021 ....पृष्ठ संख्या.....9.....कॉलम.....1.....

एग्री इंडिया हैकथॉन के लिए मांगे आवेदन

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एग्री इंडिया हैकथॉन आयोजित की जा रही है। आत्मनिर्भर भारत के लिए स्मार्ट कृषि नवाचार चुनौती में कोई भी भाग ले सकता है चाहे वह कोई किसान हो, विद्यार्थियों या कोई भी आम आदमी हो। इसमें भाग लेने के लिए उसके पास नवाचार या कोई आइडिया होना जरूरी है। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 जनवरी है। इस प्रतियोगिता में केंद्र बिंदु के क्षेत्र जिनके ऊपर आप अपना नवाचार रख सकते हैं उनमें खेत मशीनीकरण, सटीक कृषि, आपूर्ति श्रृंखला और रसद के बाद फसल और खाद्य तकनीक, वेस्ट से वेल्थ आदि विषयों पर अपना नवाचार रख सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	19.01.2021	--	--

एचएयू के एबिक सेंटर में एग्री इंडिया हैकथॉन के लिए मांगे आवेदन, अंतिम तिथि 20

हिसार (सच कहूं न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थापित एबिक सेंटर में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एग्री इंडिया हैकथॉन आयोजित की जा रही है। आत्मनिर्भर भारत के लिए स्मार्ट कृषि नवाचार चुनौती में कोई भी भाग ले सकता है चाहे वह कोई किसान हो, विद्यार्थियों या कोई भी आम आदमी हो। इसमें भाग लेने के लिए उसके पास नवाचार या कोई आइडिया होना जरुरी है। एबिक की नोडल ऑफिसर डा. सीमा रानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2021 है। इस प्रतियोगिता में केंद्र बिंदु के क्षेत्र जिनके ऊपर आप अपना नवाचार रख सकते हैं उनमें खेत मशीनीकरण, सटीक कृषि, आपूर्ति श्रृंखला और रसद के बाद फसल और खाद्य तकनीक, वेस्ट से वेल्थ आदि विषयों पर अपना नवाचार रख सकते हैं। इसमें चयनित विजेता को इंक्युबेशन सेंटर मे पंजीकृत किया जाएगा और एक लाख रुपए की धनराशि इनाम के रुप में दी जाएगी। इसके साथ-साथ इनक्यूबेशन सेंटर का सपोर्ट, 2 महीने का प्रशिक्षण नि.शुल्क दिया जाएगा और 5 से 25 लाख रुपए एक प्रक्रिया के तहत दिए जाएंगे। नोडल अधिकारी ने बताया कि इसी संदर्भ में एग्री बिजनेस सेंटर ने एक वर्कशॉप का आयोजन किया जिसमें यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी और एबिक के इनक्यूबेटिंज को इस प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी और उन्हें इस में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में होने वाले नवाचार आने वाले समय में बहुत सहायक होंगे। इसमें भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति इनोवेटिव इंडिया डॉट माई गवर्नमेंट डॉट इन स्लैश एग्री इंडिया हैकथॉन पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक 19.1.2021....पृष्ठ संख्या....4....कॉलम....3-4....

आत्महत्या के मामले रोकने के लिए पहल

फेल छात्रों के मामलों में पेरेंट्स की काउंसिलिंग करेगा एचएयू

भास्कर न्यूज | हिसार

परीक्षाओं में फेल होने पर बच्चे आत्मघाती कदम न उठाएं, इस उद्देश्य से एचएयू प्रशासन स्टूडेंट्स के अभिभावकों की भी काउंसिलिंग करेगा। मनोवैज्ञानिकों के माध्यम से भी अभिभावकों को बच्चों के साथ मित्रता के साथ रहने के टिप्स दिए जाएंगे। ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन माध्यम से भी टिप्स दिए जाएंगे।

एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि कई बार ऐसा होता है कि कुछ छात्र एवं छात्राएं परीक्षा में सफल नहीं हो पाते हैं। पेपर में बैक आने पर कई बार आत्मघाती कदम तक उठा लेते हैं। छात्र एवं छात्राओं को इस घड़ी से उबारने के लिए अभिभावकों की काउंसिलिंग का निर्णय लिया गया है। हालांकि एचएयू के छात्रों द्वारा पिछले कुछ समय में आत्महत्या का कोई मामला सामने नहीं आया है। कुलपति ने बताया कि अभिभावकों को जागरूक करेंगे। उन्हें बताएंगे कि परीक्षाओं के दौरान बच्चे की डाइट, दिनचर्या कैसी हो। घर में सकारात्मक माहौल रखें, बच्चों के साथ मित्रता का व्यवहार रखें। इस संबंध में काउंसिलिंग के संबंध में छात्र एवं छात्राओं के साथ साथ अभिभावकों से भी सुझाव मांगे गए हैं।

सुधार के लिए अभिभावक भी देंगे सुझाव : कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विवि की पढ़ाई, किसानों के लिए और क्या नया किया जा सकता है। इस संबंध में भी अभिभावकों से टिप्स लिए जाएंगे। ताकि जहां सुधार की गुंजाइश हो, वहां पर सुधार किया जा सके। प्रयास रहेगा कि अभिभावकों के सुझाव के बाद उन पर अमल जरूर किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक 19.1.2021......पृष्ठ संख्या......3............कॉलम.....8..............

हौटिया के पदाधिकारी 21 को लेंगे शपथ

जासं, हिसार : गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। अब 21 जनवरी को नवीन कार्यकारिणी को लेकर पदाधिकारियों को शपथ गृहण समारोह आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम कृषि महाविद्यालय में तीन बजे आयोजित होगा। वहीं दूसरी और हकृवि शिक्षक संगठन ने भी चुनावों को लेकर अपनी कमर कस ली है। हौटा ने जनरल बॉडी की बैठक में 8 व 9 जनवरी को चुनाव कराने का फैसला लिया था।